

संवैधानिक विकास

नियुक्ति का प्रावधान किया गया - **चार्टर एक्ट 1833** में

- भारत के संवैधानिक विकास को दो चरणों में विभाजित कर अध्ययन किया जा सकता है - **ईस्ट इंडिया कंपनी के अंतर्गत पारित अधिनियम (1773-1858)** तथा **क्राउन के अंतर्गत पारित अधिनियम (1858-1947)**
- रेग्युलेशन एक्ट पारित - 1773 ई. में**
- बंगाल के गवर्नर को 'बंगाल का गवर्नर जनरल' पद दिया गया - रेग्युलेशन एक्ट द्वारा**
- बंगाल का प्रथम गवर्नर जनरल बना - वारेन हेस्टिंग्स**
- कलकत्ता (बंगाल) में एक सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की गई - 1774 ई. में, रेग्युलेशन एक्ट 1773 के तहत**
- कलकत्ता सर्वोच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश थे - सर एलिजाह इम्पे**
- बिहार, बंगाल और उड़ीसा के लिए विधि बनाने का प्राधिकार प्रदान किया गया - 1781 ई. के एक्ट ऑफ सेटलमेंट के तहत**
- कंपनी के कर्मचारियों को उपहार लेने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया - 1784 के पिट्स इंडिया एक्ट के तहत**
- कंपनी के द्वारा राजनीतिक मामलों हेतु 'बोर्ड ऑफ कंट्रोलर' और व्यापारिक कार्यों के लिए 'बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स' का प्रारंभ हुआ - पिट्स इंडिया एक्ट 1784 द्वारा**
- गवर्नर जनरल को प्रधान सेनापति नियुक्त किया गया - संशोधन अधिनियम, 1786 द्वारा**
- 1786 अधिनियम का संबंध - कार्नवालिस से**
- कंपनी के अधिकारों को 20 वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया - 1793 के चार्टर एक्ट द्वारा**
- बंगाल के गवर्नर जनरल को बम्बई, मद्रास के पर्यवेक्षण का अधिकार दिया गया - 1793 के चार्टर एक्ट द्वारा**
- पहली बार भारतीयों की शिक्षा पर प्रति वर्ष 1 लाख रुपये खर्च करने का उपबंध किया गया - 1813 के चार्टर एक्ट द्वारा**
- ईस्ट इंडिया कंपनी का भारत में व्यापारिक अधिकार समाप्त - 1813 के एक्ट द्वारा**
- इंग्लिश मिशनरियों को भारत में कार्य करने की अनुमति दी गई - 1813 के एक्ट द्वारा**
- बंगाल के गवर्नर जनरल को संपूर्ण भारत का गवर्नर जनरल बना दिया गया - 1833 के चार्टर एक्ट द्वारा**
- भारत का प्रथम गवर्नर जनरल बना - लॉर्ड विलियम बैंटिक**
- भारतीय प्रशासन का केन्द्रीयकरण एवं गवर्नर जनरल के परिषद् को कानून बनाने का अधिकार दिया गया - 1833 के चार्टर एक्ट द्वारा**
- भारत में 1834 में प्रथम विधि आयोग का गठन किया गया - 1833 के चार्टर एक्ट द्वारा**
- प्रथम विधि आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया - लॉर्ड मैकाले (इंग्लैंड के वकील)**
- भारत में दास प्रथा को समाप्त किया - 1843 में एलनबरो ने, चार्टर एक्ट 1833 के तहत**
- भारत में पहली बार योग्यता के आधार पर**

- भारत में पहली बार प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर महत्वपूर्ण पदों को भरने की व्यवस्था की गई - **चार्टर एक्ट 1853 के तहत**
- भारत में सिविल सेवकों की भर्ती एवं चयन हेतु खुली प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया - **चार्टर एक्ट 1853 के तहत**
- भारत में खुली प्रतियोगिता शुरू करने का श्रेय दिया जाता है - **लॉर्ड डलहौजी को**
- बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की संख्या 24 से घटाकर 18 की गई - 1853 एक्ट द्वारा**
- भारतीय (केन्द्रीय) विधान परिषद् की स्थापना की गई - 1853 एक्ट द्वारा**
- भारत का शासन 'कंपनी' से लेकर ब्रिटिश 'क्राउन' के हाथों में सौंपा गया - भारत शासन अधिनियम, 1858 के द्वारा**
- गवर्नर जनरल के पदनाम को बदलकर 'वायसराय' कर दिया गया - भारत शासन अधिनियम, 1858 के द्वारा**
- भारत के प्रथम वायसराय तथा अंतिम गवर्नर जनरल हुए - लॉर्ड कैनिंग**
- बोर्ड ऑफ कंट्रोल और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर को समाप्त कर 'भारत के राज्य सचिव' पद का सृजन किया गया - भारत शासन अधिनियम, 1858 के द्वारा**
- महारानी विक्टोरिया को भारत की सम्राज्ञी घोषित किया गया - 1858 ई. में**
- कानून बनाने की प्रक्रिया में भारतीय प्रतिनिधियों को शामिल करने की शुरुआत हुई - भारत परिषद् अधिनियम, 1861 के द्वारा**
- वायसराय को पहली बार अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान की गई - भारत परिषद् अधिनियम, 1861 के द्वारा**
- भारत में निर्वाचन प्रणाली की शुरुआत की गई - भारत परिषद् अधिनियम, 1892 द्वारा**
- भारत विधान परिषद् को बजट पर बहस करने की शक्ति प्राप्त हुई - भारत परिषद् अधिनियम, 1892 द्वारा**
- माले-मिन्टो सुधार के नाम से जाना जाता है - भारत परिषद् अधिनियम, 1909 को**
- माले-मिन्टो सुधार का उद्देश्य था - पृथक निर्वाचन प्रणाली**
- पहली बार मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल प्रारंभ में लाया गया - भारत परिषद् अधिनियम, 1909 के तहत**
- सांप्रदायिक निर्वाचन के जनक के रूप में जाना जाता है - लॉर्ड मिन्टो-II (वायसराय) को**
- 1909 ई. में इंग्लैंड में भारत के राज्य सचिव थे - लॉर्ड माले**
- माण्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार के नाम से जाना जाता है - 1919 का शासन अधिनियम को**

- केन्द्र में द्विसदनात्मक विधायिका की स्थापना की गई - 1919 का भारत शासन अधिनियम/माण्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार द्वारा**
- प्रांतों में द्वैध शासन की स्थापना की गई - 1919 का भारत शासन अधिनियम के द्वारा**
- प्रांतों में द्वैध शासन के जनक थे - लियोनस कार्टियस**
- भारत में एक लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान किया गया - 1919 अधिनियम द्वारा**
- केन्द्रीय लोक सेवा आयोग का गठन - 1926 में ली आयोग के सिफारिश पर**
- ली आयोग का गठन - 1923-24 में**
- भारत में पहली बार महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला - माण्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार (भारत शासन अधिनियम, 1919) द्वारा**
- अखिल भारतीय संघ अर्थात् भारत में संघात्मक सरकार (संघीय शासन) की स्थापना की गई - भारत शासन अधिनियम, 1935 द्वारा**
- प्रांतों में द्वैध शासन समाप्त कर केन्द्र में द्वैध शासन प्रणाली लागू की गई - 1935 का भारत शासन अधिनियम द्वारा**
- वर्ष 1937 में एक संघीय न्यायालय की स्थापना की गई - 1935 अधिनियम द्वारा**
- देश की मुद्रा और साख नियंत्रण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना की गई - भारत शासन अधिनियम, 1935 द्वारा**
- भारत शासन अधिनियम 1858 द्वारा स्थापित 'भारतीय परिषद्' का अंत कर दिया गया - भारत शासन अधिनियम, 1935 द्वारा**
- बर्मा को ब्रिटिश भारत से अलग कर दो नए प्रांत 'सिंध' एवं 'उड़ीसा' का निर्माण हुआ - भारत शासन अधिनियम, 1935 के तहत**
- बर्मा, भारत से अलग हुआ - 1937 में**
- प्रांतीय स्वायत्तता प्रमुख विशेषता थी - भारत शासन अधिनियम, 1935 का**
- प्रांतीय स्वायत्तता लागू - 1 अप्रैल, 1937 को**
- अविभाजित भारत का विभाजन कर दो स्वतंत्र अधिराज्यों भारत एवं पाकिस्तान की स्थापना - भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 द्वारा**
- भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम पारित किया गया था - 18 जुलाई, 1947 को**
- वायसराय का पद समाप्त कर 'गवर्नर-जनरल' पद सृजित किया गया - भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 द्वारा**
- भारत को स्वतंत्र एवं संप्रभु राज्य घोषित किया गया - 15 अगस्त 1947 को, भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 द्वारा**
- भारत को वर्ष 1947 में सत्ता सौंपने की योजना कहलाती है - माउण्टबेटन योजना**
- भारत के आजादी के समय इंग्लैंड में सरकार थी - लेबर पार्टी की**
- भारत का संविधान लागू होने तक स्वतंत्रता के पश्चात् शासन चलाया गया - 1935 के भारत सरकार अधिनियम के अनुसार**

भारतीय राजव्यवस्था

- ◆ संविधान सभा का गठन किया गया था- **कैबिनेट मिशन (1946)** की सिफारिश पर
- ◆ 'संविधान सभा' शब्द का प्रयोग सबसे पहले किया गया था - **हेनरी मैन द्वारा**
- ◆ संविधान सभा का निर्माण करने वाला पहला देश है - **अमेरिका (1787 में)**
- ◆ संविधान सभा के गठन का विचार सर्वप्रथम रखा गया - **एम. एन. राय द्वारा, 1934 में**
- ◆ कैबिनेट मिशन भारत आया- **24 मार्च 1946 को, पैथिक लॉरेंस (अध्यक्ष)** के नेतृत्व में
- ◆ कैबिनेट मिशन के तीन सदस्य थे - **स्टेफोर्ड क्रिप्स, पैथिक लॉरेंस तथा ए. वी. अलेक्जेंडर**
- ◆ कैबिनेट मिशन का भारत आने का मुख्य उद्देश्य था - **संविधान सभा का निर्माण करना एवं अंतरिम सरकार का गठन**
- ◆ कैबिनेट मिशन के तहत संविधान सभा में कुल सीटें निश्चित की गई थी - **389 (292 ब्रिटिश प्रांतो से, 4 कमिश्नरी क्षेत्रों से तथा 93 सीटें देशी रियासत से)**
- ◆ चार कमिश्नरी क्षेत्र थे - **अजमेर-मारवाड़, बलुचिस्तान, कुर्ग एवं दिल्ली**
- ◆ संविधान सभा में महिलाओं की संख्या - **15**
- ◆ संविधान सभा में सीटें आवंटित की गई थी - **प्रति दस लाख पर एक प्रतिनिधि के रूप में**
- ◆ संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव हुआ था - **प्रांतीय विधानसभा के सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष निर्वाचन के द्वारा**
- ◆ संविधान सभा में SC एवं ST सदस्यों की संख्या थी - **क्रमशः 26 तथा 33**
- ◆ जुलाई, 1946 में संविधान सभा चुनाव में कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग को कितनी सीटें प्राप्त हुई थी - **क्रमशः 208 एवं 73**
- ◆ संविधान सभा में किस रियासत के प्रतिनिधियों ने भाग नहीं लिया - **हैदराबाद**
- ◆ देश के विभाजन के बाद संविधान सभा में सदस्य रह गए थे - **299**
- ◆ स्वतंत्रता पश्चात् देश में रियासतें थी - **562**
- ◆ संविधान सभा का गठन - **जुलाई, 1946 में**
- ◆ अंतरिम सरकार का गठन - **2 सितम्बर 1946 को जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में**
- ◆ संविधान सभा की प्रथम बैठक - **9 दिसम्बर, 1946 को दिल्ली में (सदस्य-207, मुस्लिम लीग के सदस्यों ने भाग नहीं लिया था)**
- ◆ संविधान सभा की प्रथम बैठक की अध्यक्षता - **सच्चिदानंद सिन्हा ने (अस्थायी अध्यक्ष)**
- ◆ संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार थे - **वी. एन. राव**
- ◆ संविधान सभा का प्रारूप तैयार किया था - **वी. एन. राव (बेनेगल नरसिंह राव) ने**
- ◆ संविधान सभा को संबोधित करने वाले पहले व्यक्ति थे - **डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन**
- ◆ डॉ. राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष चुने गए- **11 दिसम्बर, 1946 को संविधान सभा की दूसरी बैठक में**

- ◆ संविधान सभा के समक्ष सबसे पहले लाया गया प्रस्ताव था - **उद्देश्य प्रस्ताव**
- ◆ 'उद्देश्य प्रस्ताव' पेश किया गया था - **जवाहर लाल नेहरू द्वारा 13 दिसम्बर, 1946 को**
- ◆ उद्देश्य प्रस्ताव को 'उद्देशिका' के रूप में पारित किया गया - **22 जनवरी, 1947 को**
- ◆ 'उद्देशिका' को ही कहा गया - **प्रस्तावना**
- ◆ ब्रिटिश भारत में सबसे पहले 'प्रस्तावना' का प्रावधान किया गया - **1919 के अधिनियम में**
- ◆ भारतीय 'संविधान की प्रस्तावना' शुरू होती है - **'हम भारत के लोग' से**
- ◆ प्रस्तावना/उद्देशिका लिया गया - **अमेरिका से**
- ◆ प्रस्तावना की भाषा लिया गया- **ऑस्ट्रेलिया से**
- ◆ प्रस्तावना को संशोधित किया गया है - **एक बार (42वें संविधान संशोधन 1976 द्वारा)**
- ◆ संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी, पंथनिरपेक्ष तथा अखंडता' शब्द जोड़ा गया था - **42वाँ संशोधन 1976 द्वारा (इंदिरा गांधी के समय)**
- ◆ प्रस्तावना को संविधान का भाग/अंग स्वीकार किया गया - **केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य वाद में (1973 में)**
- ◆ 'भारतीय संविधान की आत्मा' है - **प्रस्तावना**
- ◆ प्रस्तावना को 'भारतीय संविधान की आत्मा/कुंजी' कहा है - **ठाकुर दास भार्गव ने**
- ◆ बी० आर० अम्बेडकर ने 'भारतीय संविधान की आत्मा' कहा है - **अनुच्छेद 32 को (संवैधानिक उपचारों के अधिकार को)**
- ◆ अनुच्छेद-19 को 'भारतीय संविधान की आत्मा' किसने कहा- **पंडित जवाहर लाल नेहरू ने**
- ◆ प्रस्तावना को 'भारतीय राजनीति की जन्मकुण्डली' कहा गया - **के. एम. मुंशी द्वारा**
- ◆ संविधान को 'एक पवित्र दस्तावेज' किसने कहा है - **बी. आर. अम्बेडकर ने**
- ◆ पाकिस्तान के लिए पृथक संविधान सभा गठित की गई - **26 जुलाई, 1947 को**
- ◆ भारत के संविधान को तैयार करने के लिए गठित समितियों की कुल संख्या थी - **13**
- ◆ प्रारूप समिति (29 अगस्त, 1947 को गठित) के अध्यक्ष थे - **डॉ० भीमराव अम्बेडकर**
- ◆ प्रारूप समिति में सदस्यों की कुल संख्या - **7**
- ◆ संविधान के प्रारूप पर बहस हुए- **114 दिन**
- ◆ संविधान के प्रारूप समिति के समक्ष प्रस्तावना को परिभाषित किया - **जवाहर लाल नेहरू ने**
- ◆ संविधान सभा में डॉ. भीमराव अम्बेडकर का पहली बार निर्वाचन हुआ - **पूर्वी बंगाल से (विभाजन बाद बंबई प्रेसीडेंसी के पूणे से)**
- ◆ स्वतंत्रता के पश्चात् प्रथम कानून मंत्री थे - **डॉ० भीम राव अम्बेडकर (अंतरिम सरकार में कानून मंत्री थे-जोगेन्द्र नाथ मंडल)**
- ◆ स्वतंत्र भारत के प्रथम वित्त मंत्री थे - **आर. के. फणमुखम चेदटी**

- ◆ 'झंडा समिति', 'संचालन समिति' तथा 'नियम समिति' के अध्यक्ष थे - **डॉ. राजेन्द्र प्रसाद**
- ◆ 'संघ संविधान समिति' के अध्यक्ष थे - **पं० जवाहर लाल नेहरू (कुल सदस्य-15)**
- ◆ प्रांतीय संविधान समिति एवं सलाहकार समिति के अध्यक्ष थे- **सरदार वल्लभ भाई पटेल**
- ◆ मौलिक अधिकारों और अल्पसंख्यक समिति के अध्यक्ष थे - **सरदार वल्लभभाई पटेल**
- ◆ मूल/मौलिक अधिकार उपसमिति के अध्यक्ष थे - **जे. बी. कृपलानी**
- ◆ भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम पारित किया गया था - **18 जुलाई 1947 को**
- ◆ संविधान सभा द्वारा राष्ट्रध्वज 'तिरंगा' को अपनाया गया - **22 जुलाई, 1947 को**
- ◆ झंडा दिवस मनाया जाता है - **22 जुलाई को**
- ◆ भारतीय संविधान के निर्माण में लगा समय है - **2 वर्ष 11 माह तथा 18 दिन**
- ◆ संविधान सभा के कुल अधिवेशन हुए - **11 (कुल अवधि-165 दिन)**
- ◆ संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अपनाया/अंगीकृत/अधिनियमित किया गया - **26 नवम्बर, 1949 को**
- ◆ संविधान दिवस या विधि दिवस मनाया जाता है - **26 नवम्बर को**
- ◆ संविधान सभा की अंतिम बैठक हुई थी - **24 जनवरी, 1950 को**
- ◆ संविधान सभा द्वारा राष्ट्रगान के रूप में 'जन गण मन' को स्वीकार किया गया - **24 जनवरी, 1950 को**
- ◆ संविधान सभा द्वारा राष्ट्रगीत के रूप में 'वंदे मातरम्' को स्वीकार किया गया - **26 जनवरी, 1950 को**
- ◆ संपूर्ण संविधान लागू - **26 जनवरी, 1950**
- ◆ मूल संविधान लिखा गया था - **अंग्रेजी में**
- ◆ भारतीय संविधान को लिखने वाले सुलेखक थे - **प्रेम बिहारी नारायण रायजादा**
- ◆ भारतीय संविधान के मूल प्रति को चित्रों से सजाया है - **नंद लाल बोस ने**
- ◆ संविधान का नामकरण 'भारत के संविधान' के रूप में किया गया है - **अनुच्छेद-393 में**
- ◆ 'भारतीय संविधान का जनक' कहा जाता है - **डॉ० भीम राव अम्बेडकर को**
- ◆ डॉ. भीम राव अम्बेडकर का जन्म हुआ था - **14 अप्रैल, 1891 को महु, म. प्रदेश में**
- ◆ भारतीय संविधान की प्रकृति है - **एकात्मक एवं संघात्मक**
- ◆ 'भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है' इसका तात्पर्य है - **सभी धर्मों का महत्त्व स्वीकार करना**
- ◆ 'भारत एक गणतंत्र है' अर्थ है - **भारत में राष्ट्र का प्रधान (राष्ट्रपति) निर्वाचित होता है**
- ◆ भारत का संविधान है - **अंशतः कठोर और अंशतः लचीला**
- ◆ भारतीय संविधान को 'अर्द्धसंघीय संविधान' कहा है - **के. सी. व्हीयर ने**

- ◆ मूल संविधान में अनुच्छेदों, अनुसूचियों, भागों की संख्या थी - क्रमशः 395, 8, 22
- ◆ वर्तमान में अनुच्छेद है - 495 से अधिक
- ◆ वर्तमान में अनुसूचियों की संख्या है - 12
- ◆ वर्तमान में संविधान में कुल भाग है - 25
- ◆ राज्य की नामों की सूची एवं उसके राज्य क्षेत्रों का ब्योरा देती है - पहली अनुसूची
- ◆ आठवीं अनुसूची संबंधित है - भाषा से
- ◆ वर्तमान में 8वीं अनुसूची में भाषाओं की कुल संख्या है - 22 (शुरू में थी - 14)
- ◆ सिंधी भाषा को आठवीं अनुसूची में जोड़ा गया - 21वाँ संविधान संशोधन 1967 द्वारा
- ◆ मणिपुरी, कोंकणी एवं नेपाली भाषा को 8वीं अनुसूची में जोड़ा गया - 71वाँ संविधान संशोधन 1992 द्वारा
- ◆ 8वीं अनुसूची में बोडो, मैथिली, डोगरी और संथाली भाषा को जोड़ा गया - 92वाँ संविधान संशोधन 2003 के तहत
- ◆ हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया - 14 सितम्बर, 1949 को
- ◆ हिन्दी दिवस मनाया जाता है - 14 सितम्बर को
- ◆ संघ की राजभाषा हिन्दी एवं लिपि देवनागरी है - भाग-17 के अनुच्छेद-343 के अनुसार
- ◆ प्रथम राजभाषा आयोग का गठन - 1955 में
- ◆ राजभाषा आयोग के प्रथम अध्यक्ष थे - वी० जी० खेर
- ◆ दूसरी अनुसूची संबंधित है - पदाधिकारियों के वेतन, भत्ते एवं पेंशन से
- ◆ केन्द्र-राज्य संबंध वर्णित है - 7वीं अनुसूची में
- ◆ 7वीं अनुसूची संबंधित है - केन्द्र एवं राज्य के बीच शक्तियों के बँटवारे एवं सरकारों द्वारा शुल्क एवं कर लगाने के अधिकार से
- ◆ 10वीं अनुसूची संबंधित है - दल-बदल से संबंधित प्रावधान से
- ◆ दल-बदल निरोधक अधिनियम पारित हुआ था - 15 फरवरी, 1985 को
- ◆ दल-बदल विरोधी कानून को मान्यता दी गई थी - 52वाँ संशोधन (1985) द्वारा
- ◆ संविधान में देश का नाम- भारत अथवा इंडिया
- ◆ संविधान का सबसे बड़ा भाग है - 5वाँ
- ◆ संघीय न्यायपालिका का उल्लेख है - भाग-5 के अध्याय 4 में
- ◆ संविधान के 15वें तथा 18वें भाग का विषय है - क्रमशः निर्वाचन तथा आपात उपबंध
- ◆ प्रथम लिखित संविधान दिया- अमेरिका ने
- ◆ सबसे बड़ा लिखित संविधान है- भारत का
- ◆ अनुच्छेद-1 में भारत को कहा गया है - राज्यों का एक संघ
- ◆ नये राज्यों का प्रवेश या स्थापना की शक्ति प्रदान की गई है - अनुच्छेद-2 में
- ◆ अनुच्छेद-3 के तहत नये राज्यों का निर्माण और वर्तमान राज्यों के क्षेत्र, सीमाओं या नामों में परिवर्तन करने का अधिकार है - संसद को
- ◆ राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना -1953 में
- ◆ राज्य पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष थे - फजल अली
- ◆ भाषा के आधार पर गठित प्रथम राज्य है - आंध्र प्रदेश (गठन-1 अक्टूबर, 1953 को)
- ◆ भाषायी आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किया गया था - 1956 में
- ◆ असम राज्य का गठन हुआ था - 1956 में
- ◆ सिक्किम को 22वाँ राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ - 36वाँ संविधान संशोधन, 1975 द्वारा
- ◆ नागालैंड राज्य बना था - 13वाँ संविधान संशोधन, 1962 द्वारा
- ◆ गोवा (25वाँ) पूर्ण राज्य बना था - 56वाँ संशोधन, 1987 द्वारा
- ◆ दिल्ली को राजधानी का पूर्णतः दर्जा मिला था - 69वाँ संशोधन, 1991 द्वारा
- ◆ छत्तीसगढ़, उत्तराखंड व झारखंड की स्थापना- क्रमशः 1, 9 तथा 15 नवंबर को 2000 को
- ◆ तेलंगाना राज्य का निर्माण हुआ - 2 जून, 2014 को (आंध्र प्रदेश को विभाजित कर)
- ◆ वर्तमान में भारत में कितने राज्य हैं - 28
- ◆ वर्तमान में भारत में केन्द्रशासित प्रदेश हैं - 8
- ◆ संविधान की संप्रभुता निहित है - जनता में
- ◆ संविधान में संघीय व्यवस्था (प्रशासनिक ढाँचा का मॉडल) लिया गया है - कनाडा से
- ◆ मूल कर्तव्य लिया गया है- सोवियत संघ से
- ◆ संसदीय शासन प्रणाली, एकल नागरिकता एवं विधि निर्माण प्रक्रिया लिया गया - ब्रिटेन से
- ◆ मूल/मौलिक अधिकार तथा न्यायिक पुनरीक्षण लिया गया है - अमेरिका के संविधान से
- ◆ भारतीय संविधान में विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया लिया गया है - जापान से
- ◆ राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत तथा राष्ट्रपति निर्वाचन प्रक्रिया लिया गया है- आयरलैंड से
- ◆ भारत के संविधान में आपातकालीन उपबंध लिया गया है- जर्मनी के बीमर संविधान से
- ◆ संविधान संशोधन की प्रक्रिया किस देश के संविधान से प्रभावित है - दक्षिण अफ्रीका
- ◆ संसद को संविधान में संशोधन करने की शक्ति प्रदान करता है- अनु-368 (भाग-20)
- ◆ संविधान में प्रथम संशोधन हुआ -1951 में
- ◆ संविधान संशोधन विधेयक को पेश किया जा सकता है - किसी भी सदन में
- ◆ वर्तमान में राज्य, संघ और समवर्ती-सूची में विषयों की संख्या है - 61, 100 और 52
- ◆ समवर्ती-सूची के विषयों पर विधि निर्माण की शक्ति प्राप्त है - केन्द्र व राज्य दोनों को
- ◆ वन एवं पर्यावरण विषय है- समवर्ती-सूची का
- ◆ समवर्ती सूची विषय लिया गया-आस्ट्रेलिया से
- ◆ शिक्षा, समाचार-पत्र विषय है - समवर्ती-सूची
- ◆ 'शिक्षा' को राज्य सूची से समवर्ती सूची में स्थानांतरित किया गया - 42वाँ संविधान संशोधन 1976 द्वारा
- ◆ पुलिस, पंचायती राज, भूमि सुधार, नैस, कृषि, कानून-व्यवस्था विषय है - राज्य-सूची का
- ◆ रेल, डाक, रक्षा, रेडियो, टेलीविजन, बैंकिंग, बीमा, जनगणना विषय है - संघ-सूची का
- ◆ भारत में नागरिकता का प्रावधान है - एकल
- ◆ एकल नागरिकता प्रभावित है - ब्रिटेन से
- ◆ नागरिकता विषय है - संघ सूची का
- ◆ नागरिकता का उल्लेख है - संविधान के भाग-2 के अंतर्गत (अनुच्छेद 5-11 तक)
- ◆ भारतीय नागरिकता प्राप्त की जा सकती है - जन्म से, वंश परंपरा से, पंजीकरण से, देशीकरण से तथा भूमि के अर्जन द्वारा
- ◆ पंजीकरण द्वारा नागरिकता प्राप्त करने के लिए भारत में निवास करना होगा - 5 वर्ष तक
- ◆ देशीकरण द्वारा नागरिकता प्राप्त करने के लिए भारत में निवास करना होगा - 5 वर्ष तक
- ◆ पहला नागरिक संशोधन बिल पारित किया गया था - 1955 में
- ◆ भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 में संशोधन हो चुका है - 6 बार (अंतिम बार-2019)
- ◆ नागरिकता को सर्वप्रथम परिभाषित किया था - अरस्तु ने
- ◆ मौलिक अधिकार संविधान के किस भाग में वर्णित है- भाग-3 में (अनुच्छेद 12-35)
- ◆ भारत का मैगनाकार्टा (अधिकार-पत्र) कहा गया है - भाग-3 को
- ◆ मूल संविधान में मौलिक अधिकार थे - 7
- ◆ वर्तमान में मौलिक अधिकार हैं - 6
- ◆ संपत्ति के अधिकार को मूल अधिकार की सूची से हटाकर विधिक अधिकार (अनु-300 'क') किया गया-44वाँ संशोधन 1978 द्वारा
- ◆ मौलिक अधिकारों को संशोधित करने का अधिकार है - संसद को
- ◆ संसद को मौलिक अधिकारों में संशोधन का अधिकार दिया - केशवानंद भारती वाद ने
- ◆ मौलिक अधिकारों का रक्षक माना गया है - सर्वोच्च तथा उच्च न्यायालय को
- ◆ मौलिक अधिकारों का निलंबन कर सकता है - राष्ट्रपति
- ◆ अनुच्छेद-14 में कानून की समानता का अधिकार लिया गया है - ब्रिटेन से
- ◆ 'अस्पृश्यता का अंत' है - अनुच्छेद-17 में
- ◆ 'उपाधियों का अंत' है - अनुच्छेद-18 में
- ◆ अस्पृश्यता विरोधी अधिनियम बना - 1955 में
- ◆ 'प्रेस की स्वतंत्रता' या 'बोलने की स्वतंत्रता' वर्णित है - अनुच्छेद-19 (1) (क) में
- ◆ 'चौथा स्तंभ' इंगित करता है - प्रेस को
- ◆ 'प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण' वर्णित है - अनुच्छेद-21 में
- ◆ अल्पसंख्यक वर्गों के हितों का संरक्षण संबंधी अधिकार उल्लिखित है - अनुच्छेद-29 में
- ◆ 6 से 14 वर्ष के उम्र के बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा अनिवार्य किया गया है -86वाँ संशोधन 2002 द्वारा अनुच्छेद -21 (क) में
- ◆ 86वें संशोधन द्वारा प्रस्तावित 'शिक्षा का अधिकार' लागू हुआ - 1 अप्रैल, 2010 से

- ◆ 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा जोखिम भरा काम प्रतिषेध किया गया है- **अनुच्छेद-24** में
- ◆ संविधान में संशोधन करके शिक्षा का अधिकार जोड़ा गया - **1 अप्रैल 2010** को
- ◆ मौलिक अधिकारों को प्रवर्तित कराने हेतु अनुच्छेद-32 के तहत सर्वोच्च न्यायालय कितने प्रकार के रिट (आदेश) जारी करता है - **5**
- ◆ उच्चतम तथा उच्च न्यायालयों द्वारा जारी किया जाने वाला पाँच रिट है - **बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, उत्प्रेषण तथा अधिकार पुच्छा**
- ◆ उच्च न्यायालय अथवा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा हेतु जारी किया गया समादेश है - **परमादेश**
- ◆ बंदी को 24 घंटे के अन्दर सशरीर न्यायालय के सामने पेश करना समादेश कहलाता है - **बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeas Corpus)**
- ◆ व्यक्तिगत स्वतंत्रता के रक्षा के लिए रिट याचिका है - **हैबियस कॉर्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण)**
- ◆ किसी अवैध व्यक्ति से सरकारी पद को बचाने के लिए जारी किया जाता है - **अधिकार पुच्छा**
- ◆ मूल अधिकारों के निलंबन (केवल आपातकालीन स्थिति में) संबंधी प्रावधानों का वर्णन किया गया है - **अनुच्छेद 358 तथा 359** में
- ◆ 'नीति-निदेशक सिद्धांत' संविधान में वर्णित है - **भाग-4 में (अनुच्छेद 36-51 तक)**
- ◆ 'नीति-निदेशक सिद्धांत' नहीं है - **वाद योग्य**
- ◆ 'राज्य के नीति-निदेशक सिद्धांत एक ऐसा चेक है जो बैंक की सुविधानुसार अदा किया जाता है' कहा था - **के. टी. शाह ने**
- ◆ राज्य के नीति-निदेशक सिद्धांतों का मुख्य उद्देश्य है - **कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना**
- ◆ मूल कर्तव्य वर्णित है- संविधान के **भाग-4 (क)** में **अनुच्छेद-51 (क)** के तहत
- ◆ मूल कर्तव्य का विचार लिया गया है - **पूर्व सोवियत संघ से**
- ◆ भारत के संविधान में मूल कर्तव्यों को जोड़ा गया - **42वाँ संविधान संशोधन 1976** द्वारा **सरदार स्वर्ण सिंह समिति** की अनुशंसा पर
- ◆ वर्तमान में मूल कर्तव्यों की संख्या है - **11**
- ◆ भारतीय संसद के तीन अंग है - **राष्ट्रपति, राज्यसभा, लोकसभा**
- ◆ संसद का स्थायी एवं उच्च सदन, जो कभी भंग नहीं होती है - **राज्यसभा**
- ◆ संसद का निम्न सदन कहलाता है- **लोकसभा**
- ◆ संसद भवन का डिजाइन तैयार किया था - **सर हर्बर्ट बेकर और एडवर्ड लूटियंस ने**
- ◆ संसद भवन की नींव रखी गई थी - **1921** में
- ◆ संसद भवन का उद्घाटन किया गया था - **18 जनवरी, 1927** को **लॉर्ड इरविन** द्वारा
- ◆ संविधान में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक का प्रावधान किया गया है- **अनु-108 के तहत**
- ◆ दोनों सदनों की संयुक्त बैठक होती है- **साधारण विधेयक एवं वित्त विधेयक के मामले में**
- ◆ संसद के संयुक्त अधिवेशन बुलाता है- **राष्ट्रपति**
- ◆ संसद के संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता करता है- **लोकसभा अध्यक्ष**
- ◆ भारतीय संसद के दोनों सदनों की प्रथम संयुक्त बैठक हुई थी - **दहेज निरोधक विधेयक पर, 6 मई 1961** को
- ◆ संयुक्त अधिवेशन में निर्णय किस आधार पर लिये जाते हैं - **बहुमत के आधार पर**
- ◆ संसद की कार्यवाही सूची में प्रथम विषय होता है - **प्रश्नकाल**
- ◆ प्रश्नकाल की अवधि होती है - **एक घंटा**
- ◆ शून्य काल कहलाता है - **प्रश्नकाल के बाद 12 बजे से 1 बजे के बीच का समय**
- ◆ शून्य काल का अर्थ है - **प्रश्न-उत्तर सत्र**
- ◆ संसद के किसी सदस्य की सदस्यता समाप्त समझी जाती है, यदि वह बिना सदन को सूचित किए अनुपस्थित रहता है - **60 दिन**
- ◆ संसद का सदस्य नहीं होने पर कोई मंत्री अपने पद पर बना रह सकता है - **6 माह तक**
- ◆ संसद के दो क्रमिक अधिवेशनों के बीच अधिकतम समयान्तराल होता है - **6 माह**
- ◆ भारत का प्रथम नागरिक होता है- **राष्ट्रपति**
- ◆ संविधान में राष्ट्रपति पद की व्यवस्था की गई है - **अनुच्छेद-52 के तहत**
- ◆ राष्ट्रपति का पद एवं राष्ट्रपति पर महाभियोग लिया गया है - **अमेरिका के संविधान से**
- ◆ राष्ट्रपति के कार्य एवं शक्तियाँ लिया गया है - **ब्रिटेन के संविधान से**
- ◆ कार्यपालिका का प्रमुख होता है - **राष्ट्रपति**
- ◆ तीनों सेनाओं का सेनापति होता है- **राष्ट्रपति**
- ◆ राष्ट्रपति पद के लिए न्यूनतम आयु - **35 वर्ष**
- ◆ राष्ट्रपति का कार्यकाल होता है - **5 वर्ष**
- ◆ राष्ट्रपति का मासिक वेतन - **5 लाख रूपया**
- ◆ राष्ट्रपति का चुनाव होता है - **एकल संक्रमणीय प्रणाली के आधार पर अप्रत्यक्ष मतदान से**
- ◆ राष्ट्रपति के चुनाव में भाग लेते हैं - **संसद व राज्यों के विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य**
- ◆ राष्ट्रपति के निर्वाचन हेतु निर्वाचक मंडल का उल्लेख किया गया है - **अनुच्छेद-54 में**
- ◆ राष्ट्रपति के उम्मीदवार के नमांकन हेतु प्रस्तावक एवं अनुमोदकों की संख्या होती है- **50-50**
- ◆ राष्ट्रपति चुनाव लड़ने हेतु जमानत राशि है - **150000 रु. (1/6 वोट नहीं मिलने पर)**
- ◆ राष्ट्रपति को पद की शपथ दिलाता है - **भारत के मुख्य न्यायाधीश**
- ◆ राष्ट्रपति को पद से हटाया जा सकता है - **महाभियोग द्वारा (अनुच्छेद-61 के तहत)**
- ◆ राष्ट्रपति पर महाभियोग आरोप लगाया जा सकता है - **संसद के किसी भी सदन द्वारा**
- ◆ राष्ट्रपति पर महाभियोग लगाने की सूचना दी जाती है - **14 दिन पूर्व राष्ट्रपति को ही**
- ◆ राष्ट्रपति त्यागपत्र सौंपता है - **उपराष्ट्रपति को**
- ◆ राष्ट्रपति का रिक्त स्थान भर लिया जाना चाहिए - **6 माह में**
- ◆ संसद के लिए राष्ट्रपति का अभिभाषण तैयार करता है - **केन्द्रीय मंत्रिमंडल**
- ◆ राष्ट्रपति लोकसभा भंग करता है - **प्रधानमंत्री के सलाह पर अनुच्छेद-85 के तहत**
- ◆ मृत्यु दंड क्षमा करने का अधिकार है - **राष्ट्रपति को (अनुच्छेद-72 के तहत)**
- ◆ लोकसभा में कितने सदस्यों को राष्ट्रपति मनोनित करता है - **2 (एंग्लो इंडियन)**
- ◆ राष्ट्रपति मंत्रियों की नियुक्ति करता है - **प्रधानमंत्री के परामर्श से**
- ◆ किसी भी विधि के लिए सर्वोच्च न्यायालय से परामर्श माँगने का अधिकार है - **राष्ट्रपति को (अनुच्छेद-143 के तहत)**
- ◆ भारत के प्रथम राष्ट्रपति- **डॉ० राजेन्द्र प्रसाद**
- ◆ प्रथम दलित राष्ट्रपति- **के. आर. नारायणन**
- ◆ प्रथम कार्यवाहक राष्ट्रपति थे - **वी.वी. गिरि**
- ◆ निर्विरोध निर्वाचित राष्ट्रपति- **एन. संजीव रेड्डी**
- ◆ राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने वाली प्रथम महिला उम्मीदवार थी - **कैप्टन लक्ष्मी सहगल**
- ◆ राष्ट्रपति जिनकी मृत्यु कार्यकाल के दौरान हुई - **फकरुद्दीन अली अहमद व जाकिर हुसैन**
- ◆ एकमात्र मुख्य न्यायाधीश जिन्होंने राष्ट्रपति के पद पर कार्य किया - **एम० हिदायतुल्लाह**
- ◆ देश की प्रथम महिला राष्ट्रपति- **प्रतिभा पाटिल**
- ◆ पद से त्याग-पत्र देने वाले प्रथम राष्ट्रपति थे - **वी.वी. गिरि**
- ◆ जेबी वीटो का प्रयोग करने वाले प्रथम राष्ट्रपति थे - **ज्ञानी जैल सिंह (भारतीय डाक विधेयक 1986 के संबंध में)**
- ◆ दोनों सदनों का अधिवेशन न चल रहा हो तो अध्यादेश जारी करता है - **राष्ट्रपति (अनुच्छेद-123 के तहत)**
- ◆ राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति को वेतन प्रदान किया जाता है - **संचित निधि द्वारा**
- ◆ संविधान के भाग-18 में तीन प्रकार के आपातकाल की व्यवस्था की गई है - **राष्ट्रीय आपात, राष्ट्रपति शासन एवं वित्तीय आपात**
- ◆ अनुच्छेद-352 संबंधित है- **राष्ट्रीय आपात से**
- ◆ राष्ट्रीय आपात का आधार है - **युद्ध, बाह्य आक्रमण, आंतरिक अशांति, सशस्त्र विद्रोह**
- ◆ पहली बार राष्ट्रीय आपात घोषित किया गया - **26 अक्टूबर 1962** को **(भारत-चीन युद्ध के समय)**
- ◆ दूसरी बार राष्ट्रीय आपात घोषित किया गया - **3 दिसम्बर, 1971** को **(भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय)**
- ◆ आंतरिक अशांति के कारण तीसरी बार राष्ट्रीय आपात घोषित हुआ - **25 जून 1975** को
- ◆ आपातकाल की उद्घोषणा के कितने दिनों के भीतर संसद की स्वीकृति जरूरी है- **1 माह**
- ◆ अनुच्छेद-356 संबंधित है - **राष्ट्रपति शासन से**
- ◆ राज्य में राष्ट्रपति शासन की घोषणा करता है - **राष्ट्रपति, राज्यपाल के सलाह पर (राज्य में संवैधानिक तंत्र के विफल होने पर)**

- ♦ सर्वप्रथम राष्ट्रपति शासन (अनु-356 के तहत) लागू हुआ था - **पंजाब में (1951 में)**
- ♦ सबसे ज्यादा बार राष्ट्रपति शासन लगा है - **उत्तर प्रदेश में**
- ♦ सबसे ज्यादा दिनों तक राष्ट्रपति शासन लगाया गया - **पंजाब में (सबसे कम-कर्नाटक में)**
- ♦ राष्ट्रपति शासन की न्यूनतम तथा अधिकतम अवधि है - **क्रमशः 6 माह और 3 वर्ष**
- ♦ वित्तीय आपातकाल की घोषणा की जा सकती है - **राष्ट्रपति द्वारा, अनुच्छेद-360 के तहत**
- ♦ अबतक कितनी बार वित्तीय आपात घोषित किया जा चुका है - **एक बार भी नहीं**
- ♦ वित्तीय आपात की घोषणा को कितने दिनों के भीतर संसद की स्वीकृति जरूरी है - **2 माह**
- ♦ राष्ट्रपति भवन को डिजाइन किया गया था - **एडविन लुटियंस द्वारा**
- ♦ राष्ट्रपति भवन स्थित है - **रायसीना पहाड़ी पर**
- ♦ संविधान के किस अनुच्छेद के तहत 'भारत में एक उपराष्ट्रपति होगा' - **अनुच्छेद-63**
- ♦ राष्ट्रपति का पद खाली होने पर कार्यभार संभालता है - **उपराष्ट्रपति (अधिकतम 6 माह तक)**
- ♦ यदि राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति दोनों अनुपस्थित हो तो राष्ट्रपति का कार्यभार कौन सम्भालेगा - **सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश**
- ♦ राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के चुनाव संबंधी विवादों को निपटाता है - **सर्वोच्च न्यायालय**
- ♦ उपराष्ट्रपति को शपथ दिलवाता है - **राष्ट्रपति**
- ♦ उपराष्ट्रपति त्यागपत्र देता है - **राष्ट्रपति को**
- ♦ उपराष्ट्रपति को पद की शपथ दिलवाता है - **राष्ट्रपति अथवा राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त व्यक्ति**
- ♦ उपराष्ट्रपति का कार्यकाल होता है - **5 वर्ष**
- ♦ उपराष्ट्रपति हेतु न्यूनतम आयु सीमा- **35 वर्ष**
- ♦ उपराष्ट्रपति का मासिक वेतन- **4 लाख रूपया**
- ♦ प्रथम उपराष्ट्रपति थे- **डॉ० एस० राधाकृष्णन**
- ♦ उपराष्ट्रपति के चुनाव में भाग लेते हैं - **संसद के दोनों सदनों के सभी सदस्य**
- ♦ प्रधानमंत्री पद की व्यवस्था की गई है - **अनुच्छेद-74 के तहत**
- ♦ प्रधानमंत्री की नियुक्ति करता है - **राष्ट्रपति, अनुच्छेद-75 के तहत**
- ♦ प्रथम प्रधानमंत्री थे- **पं० जवाहर लाल नेहरू**
- ♦ प्रथम उप-प्रधानमंत्री थे- **बल्लभ भाई पटेल**
- ♦ उप-प्रधानमंत्री पद है- **पूर्णतः गैर-संवैधानिक**
- ♦ प्रधानमंत्री पद के लिए न्यूनतम आयु- **25 वर्ष**
- ♦ प्रधानमंत्री का कार्यकाल होता है - **5 वर्ष**
- ♦ मंत्रिमंडल और राष्ट्रपति के बीच कड़ी का काम कौन करता है - **प्रधानमंत्री**
- ♦ संविधान में मंत्रिमंडल शब्द का एक ही बार प्रयोग हुआ है - **अनुच्छेद-352 के खंड-3 में**
- ♦ मंत्रिपरिषद् का अध्यक्ष होता है - **प्रधानमंत्री**
- ♦ मंत्रिपरिषद् में शामिल होते हैं - **प्रधानमंत्री एवं अन्य मंत्री**
- ♦ मंत्रिपरिषद् में मंत्री होते हैं - **तीन स्तर के (कैबिनेट, राज्य मंत्री, उपमंत्री)**
- ♦ मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से उत्तरदायी होते हैं - **लोकसभा के प्रति**
- ♦ मंत्रिपरिषद् का निर्माणकर्ता और संहारकर्ता कौन होता है - **प्रधानमंत्री**
- ♦ प्रधानमंत्री सरकार के निर्णयों की जानकारी राष्ट्रपति को देता है- **अनुच्छेद 78 के तहत**
- ♦ अविश्वास प्रस्ताव द्वारा हटाये जानेवाले प्रथम प्रधानमंत्री - **विश्वनाथ प्रताप सिंह**
- ♦ प्रथम गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री- **मोरारजी देसाई**
- ♦ प्रथम पूर्णतः गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे - **अटल बिहारी वाजपेयी**
- ♦ प्रधानमंत्री जो पद ग्रहण के समय किसी भी सदन का सदस्य नहीं थे- **पी० वी० नरसिंहराव**
- ♦ एक भी दिन संसद का सामना नहीं करने वाले प्रधानमंत्री थे - **चौधरी चरण सिंह**
- ♦ 'जय जवान, जय किसान' का नारा दिया - **द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने**
- ♦ केंद्रीय मंत्रिमंडल से त्याग पत्र देने वाले पहले व्यक्ति थे - **श्यामा प्रसाद मुखर्जी**
- ♦ देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री - **इंदिरा गांधी**
- ♦ सबसे कम कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री पद पर रहे थे- **अटल बिहारी वाजपेयी (13 दिन)**
- ♦ भारत में नई संसदीय समिति प्रणाली की शुरुआत हुई - **1991 ई. में**
- ♦ प्राक्कलन समिति में सदस्यों (कार्यकाल-1 वर्ष) की कुल संख्या - **30 (लोकसभा से)**
- ♦ राज्यसभा का कोई सदस्य नहीं होता है - **प्राक्कलन समिति में**
- ♦ लोक लेखा समिति में सदस्यों की कुल संख्या - **22 (15 लोकसभा से, 7 राज्यसभा से)**
- ♦ प्राक्कलन समिति की जुड़वां बहन कहा जाता है - **लोक लेखा समिति को**
- ♦ लोक लेखा समिति के अध्यक्ष को मनोनित या नियुक्ति करता है - **लोकसभा के अध्यक्ष**
- ♦ पुरानी वित्तीय समिति है- **लोक लेखा समिति**
- ♦ लोक लेखा समिति अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करती है - **लोकसभा अध्यक्ष को**
- ♦ राज्य सभा का गठन - **3 अप्रैल, 1952**
- ♦ राज्य सभा की पहली बैठक- **13 मई, 1952**
- ♦ राज्यसभा के सदस्यों का चुनाव होता है - **एकल संक्रमणीय पद्धति द्वारा**
- ♦ राज्यसभा के सदस्य चुने जाते हैं - **राज्य विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा**
- ♦ राज्यसभा के कितने सदस्य प्रति दो वर्ष पश्चात् सेवा-निवृत्त हो जाते हैं - **एक-तिहाई सदस्य**
- ♦ राज्यसभा में राज्यों/संघों को प्रतिनिधित्व दिया जाता है - **उनकी जनसंख्या के अनुपात में**
- ♦ राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष - **उपराष्ट्रपति, जो राज्य सभा का सदस्य नहीं होता**
- ♦ राज्यसभा के सदस्यों का कार्यकाल - **6 वर्ष**
- ♦ राज्यसभा में गणपूर्ति/कोरम संख्या है - **1/10**
- ♦ राज्यसभा एक स्थायी सदन है - **क्योंकि यह कभी भंग/विघटित नहीं होता है**
- ♦ राष्ट्रपति राज्यसभा में मनोनित करता है - **12**
- ♦ सदस्यों को, साहित्य, कला, विज्ञान एवं समाज सेवा क्षेत्र से, अनुच्छेद-80 के तहत
- ♦ राज्यसभा की पहली महिला महासचिव थी - **बी० एस० रामादेवी**
- ♦ राज्य सभा के लिए नामित प्रथम अभिनेत्री थी - **नरगिस दत्त (अभिनेता-पृथ्वीराज कपूर)**
- ♦ लोकसभा व राज्यसभा के निर्वाचन हेतु न्यूनतम आयु सीमा है - **क्रमशः 25 और 30 वर्ष**
- ♦ लोकसभा की संरचना का उल्लेख किया गया है - **अनुच्छेद 81 में**
- ♦ लोक सभा का गठन हुआ - **6 मई, 1952**
- ♦ लोकसभा के सदस्यों का कार्यकाल - **5 वर्ष**
- ♦ लोकसभा तथा राज्यसभा में अधिकतम सदस्य हो सकता है - **क्रमशः 552 तथा 250**
- ♦ वर्तमान में लोकसभा सदस्य संख्या है - **545**
- ♦ लोकसभा सीटों की संख्या 525 से बढ़ाकर 545 किया गया - **31वां संशोधन 1973 द्वारा**
- ♦ लोकसभा में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए कितनी सीटें आरक्षित हैं - **क्रमशः 84 सीटें तथा 47 सीटें**
- ♦ लोकसभा में राज्यों को सीटें आवंटित होती हैं - **जनसंख्या के आधार पर**
- ♦ लोकसभा का प्रथम चुनाव हुआ - **1952 में**
- ♦ लोकसभा में राज्यवार सीटों का आवंटन आधारित है - **1971 की जनगणना पर**
- ♦ लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार की जमानत राशि जब्त हो जाती है, यदि उसे प्राप्त नहीं होता है - **कुल वैध मतों का 1/6 भाग**
- ♦ लोकसभा उम्मीदवार के लिए जमानत राशि है - **25 हजार (एससी/एसटी-12500 रु.)**
- ♦ लोकसभा का नेता होता है - **प्रधानमंत्री**
- ♦ लोकसभा अध्यक्ष का निर्वाचन होता है - **लोकसभा के सभी सदस्यों के द्वारा**
- ♦ लोकसभा अध्यक्ष को कार्यकाल की समाप्ति के पूर्व हटाया जा सकता है- **लोकसभा के कुल सदस्यों के बहुमत द्वारा पारित प्रस्ताव से**
- ♦ लोकसभा अध्यक्ष अपना त्याग पत्र देता है - **उपाध्यक्ष को (उपाध्यक्ष-अध्यक्ष को)**
- ♦ लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष थे - **जी. वी. मावलंकर**
- ♦ लोकसभा के प्रथम उपाध्यक्ष थे - **श्री अनंतशयनम आर्यंगर**
- ♦ लोकसभा की प्रथम महिला अध्यक्ष-**मीरा कुमार**
- ♦ लोकसभा महासचिव की नियुक्ति करता है - **लोकसभा अध्यक्ष**
- ♦ अस्थायी लोकसभा अध्यक्ष कहलाता है - **प्रोटेम स्पीकर (नियुक्ति-राष्ट्रपति)**
- ♦ प्रोटेम स्पीकर होता है - **लोकसभा का सबसे वरिष्ठ सदस्य, जो नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण करवाता है**
- ♦ लोकसभा अध्यक्ष 'कास्टिंग वोट' प्रयोग करता है- **टाई होने पर, अनुच्छेद 100 के तहत**
- ♦ राष्ट्रमंडल अध्यक्षों के सम्मेलन का पदेन महासचिव होता है - **लोकसभा महासचिव**

- ◆ किसी विशेष दिन लोकसभा में अधिकतम कितने तारांकित प्रश्न पूछे जा सकते हैं- 20
- ◆ तारांकित प्रश्नों का उत्तर दिया जाता है - मौखिक रूप में
- ◆ लोकसभा का सत्र एक वर्ष में न्यूनतम कितनी बार बुलाए जाते हैं - दो बार
- ◆ लोकसभा की अवधि बढ़ाई जा सकती है - आपातकाल की स्थिति में 1 वर्ष के लिए
- ◆ पहली बार विपक्ष के दल के नेता को मान्यता दी गयी - 1969 में
- ◆ राज्यसभा तथा लोकसभा में प्रथम विपक्षी नेता - कमलापति त्रिपाठी तथा रामसुभग सिंह
- ◆ अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाता है - लोकसभा में (विपक्षी सदस्य द्वारा 50 सदस्यों के समर्थन से मंत्रीपरिषद् के विरुद्ध)
- ◆ प्रथम स्पीकर जिनके विरुद्ध लोकसभा में अविश्वास का प्रस्ताव लाया गया था - जी. बी. मावलंकर (प्रथम लोकसभा अध्यक्ष)
- ◆ लोकसभा में कोरम या गणपूर्ति कुल सदस्य संख्या का होता है - 1/10 (अनुच्छेद-100)
- ◆ लोकसभा और राज्यसभा में सर्वाधिक प्रतिनिधि किस राज्य से आते हैं - उत्तर-प्रदेश से
- ◆ वित्त मंत्री द्वारा वार्षिक बजट किस सदन में पेश किया जाता है - लोकसभा में
- ◆ धन विधेयक परिभाषित है- अनुच्छेद-110 में
- ◆ वित्त विधेयक परिभाषित है - अनुच्छेद-117 में
- ◆ धन विधेयक तथा वित्त विधेयक पेश किया जाता है - लोकसभा में
- ◆ कोई विधेयक, धन विधेयक है या नहीं, इसका निर्णय करता है - लोकसभा अध्यक्ष
- ◆ धन विधेयक को राज्यसभा विचारार्थ अपने पास रोक सकती है- केवल 14 दिनों तक
- ◆ धन विधेयक लोकसभा में प्रस्तुत करने से पूर्व अनुमति लेना आवश्यक है - राष्ट्रपति की
- ◆ क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा लोकसभा क्षेत्र है - लद्दाख (छोटा-चाँदनी चौक)
- ◆ भारत का प्रथम/सर्वोच्च विधि अधिकारी होता है - महान्यायवादी (अटॉर्नी जनरल)
- ◆ महान्यायवादी की नियुक्ति करता है- राष्ट्रपति (अनुच्छेद-76 के तहत)
- ◆ किसी सदन के सदस्य न होने पर भी सदन के बैठक में भाग ले सकता है- महान्यायवादी
- ◆ अटॉर्नी जनरल को उसके दायित्वों के निर्वहन में मदद करता है - सॉलिसिटर जनरल
- ◆ भारत का सॉलिसिटर जनरल होता है - एक कानूनी/न्यायिक सलाहकार
- ◆ राज्य सरकार का प्रथम विधिक सलाहकार होता है - महाधिवक्ता (अनु-165 में)
- ◆ महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) की नियुक्ति करता है - राज्यपाल
- ◆ भारत सरकार के व्यय को नियंत्रित करने की शक्ति है - नियंत्रक व महालेखा परीक्षक को
- ◆ देश के सार्वजनिक धन का संरक्षक होता है - नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

- ◆ नियंत्रक महालेखा परीक्षक की नियुक्ति करता है - राष्ट्रपति, अनुच्छेद 148 (1) के तहत
- ◆ नियंत्रक महालेखा परीक्षक का कार्यकाल होता है- नियुक्ति से 6 साल या आयु 65 वर्ष
- ◆ नियंत्रक महालेखा परीक्षक लेखों का लेखा परीक्षण करता है - राष्ट्रपति एवं राज्यपाल के निवेदन पर, अनुच्छेद 151 के तहत
- ◆ लोक लेखा समिति के गाइड, मित्र एवं मार्गदर्शक होता है - नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
- ◆ सर्वोच्च न्यायालय के गठन के विषय में उपबंध किया गया है - भाग-5 के अनुच्छेद-124 में
- ◆ भारत में सर्वोच्च न्यायालय का उद्घाटन किया गया था - 28 जनवरी 1950 को
- ◆ सर्वोच्च न्यायालय को न्यायिक पुनरीक्षण का अधिकार प्रदान करता है - अनुच्छेद-137
- ◆ वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय में कुल न्यायाधीश हैं - 34 (1 मुख्य तथा 33 अन्य न्यायाधीश)
- ◆ सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि करने की शक्ति है - संसद को
- ◆ मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति है - राष्ट्रपति
- ◆ मुख्य न्यायाधीश का वेतन- 2,80,000 रु.
- ◆ सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश अपना पद त्याग सकते हैं - राष्ट्रपति को संबोधित कर
- ◆ सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश हटाए जा सकते हैं - संसद की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा
- ◆ सुप्रीम कोर्ट के अन्य न्यायाधीशों को शपथ दिलाता है- सुप्रीम कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश
- ◆ सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु है - 65 वर्ष
- ◆ सर्वोच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश थे - हीरालाल जे. कानिया
- ◆ सर्वोच्च न्यायालय अपने दिए हुए फैसले पर पुनर्विचार करता है - अनु-137 के तहत
- ◆ संविधान का व्याख्या करने वाला तथा संरक्षक माना जाता है - सर्वोच्च न्यायालय को
- ◆ सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का वेतन निर्धारण किया जाता है - संसद द्वारा
- ◆ सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अबतक के सबसे बड़ी खंडपीठ (13 न्यायाधीश) का गठन किया गया था - केशवानंद भारती केस में
- ◆ सर्वोच्च न्यायालय मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है - अनुच्छेद-32 के तहत
- ◆ जनहित याचिका प्रस्तुत की जा सकती है - उच्च एवं सर्वोच्च न्यायालय दोनों में
- ◆ पी. आई. एल (जनहित याचिका) का पूर्ण रूप है - पब्लिक इंटरैस्ट लेटिगेशन
- ◆ सर्वप्रथम भारत में उच्च न्यायालय का गठन- 1862 में (कलकत्ता, बम्बई व मद्रास में)
- ◆ वर्तमान में उच्च न्यायालयों की संख्या - 25
- ◆ प्रत्येक राज्य में उच्च न्यायालय की व्यवस्था की गई है - अनुच्छेद 214 के तहत
- ◆ उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति करता है - राष्ट्रपति (त्यागपत्र-राष्ट्रपति को)

- ◆ उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु है - 62 वर्ष
- ◆ उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को वेतन दिया जाता है - राज्य के संचित निधि से
- ◆ किन दो केन्द्रशासित प्रदेश का अपना उच्च न्यायालय है - दिल्ली एवं जम्मू-कश्मीर
- ◆ इलाहाबाद उ. न्यायालय की स्थापना-1866 में
- ◆ दिल्ली उच्च न्यायालय की स्थापना - 1966 में
- ◆ पटना उच्च न्यायालय की स्थापना - 1916 में
- ◆ मणिपुर और मेघालय उच्च न्यायालय का स्थापना वर्ष है - 25 मार्च, 2013
- ◆ त्रिपुरा उच्च न्यायालय का स्थापना वर्ष है - 26 मार्च, 2013
- ◆ पंजाब व हरियाणा के उच्च न्यायालय के अधीन है - चंडीगढ़
- ◆ कोलकाता उच्च न्यायालय के अधीन है - अण्डमान निकोबार द्वीप समूह
- ◆ मद्रास उच्च न्यायालय के अधीन है - पांडिचेरी
- ◆ केरल उच्च न्यायालय के अधीन है - लक्षद्वीप
- ◆ बम्बई उच्च न्यायालय के अधीन है - महाराष्ट्र, गोवा, दमन-दीव तथा दादर और नगर हवेली
- ◆ किस उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या सबसे कम है - गौहाटी उच्च न्यायालय
- ◆ किस उच्च न्यायालय में सर्वाधिक न्यायाधीश हैं - इलाहाबाद उच्च न्यायालय
- ◆ सर्वाधिक क्षेत्राधिकार वाला उच्च न्यायालय है - गौहाटी उच्च न्यायालय
- ◆ सर्वोच्च तथा उच्च न्यायालय की कार्यकारी भाषा होती है - अंग्रेजी
- ◆ राज्य सरकार का कार्यकारी अध्यक्ष एवं संवैधानिक प्रमुख होता है - राज्यपाल
- ◆ राज्य की शक्ति निहित होती है- राज्यपाल में
- ◆ प्रत्येक राज्य का एक राज्यपाल होता है - अनु-153 के तहत (नियुक्ति-राष्ट्रपति)
- ◆ राज्यपाल (गवर्नर) को शपथ ग्रहण करवाता है - उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
- ◆ राज्यपाल का कार्यकाल होता है - 5 वर्ष
- ◆ राज्यपाल पद के लिए न्यूनतम आयु - 35 वर्ष
- ◆ राज्यपाल का मासिक वेतन - 3,50,000 रु.
- ◆ राज्यपाल उत्तरदायी होता है - राष्ट्रपति के प्रति
- ◆ भारतीय राज्य की पहली महिला राज्यपाल थी - श्रीमति सरोजनी नायडू (उत्तर प्रदेश)
- ◆ राज्य विधानमंडल के अंग हैं - विधान परिषद्, विधानसभा और राज्यपाल
- ◆ विधानमंडल का निम्न सदन है - विधानसभा
- ◆ राज्य विधानमंडल का स्थायी/उच्च सदन कहलाता है - विधान परिषद् (अनु-171)
- ◆ विधान परिषद् तथा विधान सभा के सदस्यों का कार्यकाल होता है - क्रमशः 6 व 5 वर्ष
- ◆ राज्यपाल की कार्यवाही की वैधता को चुनौती देने का अधिकार है - विधान सभा को
- ◆ राज्य स्तर पर कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, निर्णय करता है - विधानसभा अध्यक्ष

- ◆ विधान परिषद् धन विधेयक को रोक सकती है - 14 दिनों तक
- ◆ विधान परिषद् की स्थापना एवं उन्मूलन का अधिकार है - संसद को अनुच्छेद-169 के तहत, जब विधानसभा संकल्प पारित कर दे
- ◆ विधान सभा अध्यक्ष अपना त्याग-पत्र देता है - उपाध्यक्ष को
- ◆ राज्य के राज्यपाल की सेवानिवृत्ति की आयु सीमा - कोई निश्चित नहीं है
- ◆ गवर्नर द्वारा जारी किया गया अध्यादेश मंजूर किया जाता है - विधान मंडल द्वारा
- ◆ विधान सभा में राज्यपाल आंग्ल भारतीय सदस्य को मनोनित कर सकता है - केवल एक
- ◆ विधान सभा की न्यूनतम तथा अधिकतम सदस्य संख्या होती है- क्रमशः 60 तथा 500
- ◆ विधान परिषद् के कितने सदस्य राज्यपाल द्वारा मनोनीत किये जाते हैं - 1/6 सदस्य
- ◆ राज्य विधान परिषद् में सदस्यों की संख्या होती है- अधिकतम (विधान सभा के सदस्यों की एक तिहाई) तथा कम-से-कम 40
- ◆ राज्य मंत्रिमंडल सामूहिक रूप से किसके प्रति उत्तरदायी होता है - विधानसभा के प्रति
- ◆ विधान परिषद् तथा विधान सभा पद के लिए न्यूनतम आयु सीमा- क्रमशः 30 तथा 25 वर्ष
- ◆ विधान सभा के दो सत्रों के बीच का अंतराल होता है - 6 माह
- ◆ प्रत्येक राज्य के लिये एक विधान मण्डल की व्यवस्था की गयी है - अनु-170 के अन्तर्गत
- ◆ राज्य मंत्रिपरिषद् का प्रधान होता है - मुख्यमंत्री
- ◆ भारतीय राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री थी - सुचेता कृपलानी (उत्तर प्रदेश)
- ◆ निर्वाचन से संबंधित उपबंध दिया गया है - भाग-15 के अनुच्छेद-324 से 329 में
- ◆ भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना हुई थी - 25 जनवरी 1950 को
- ◆ मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति - राष्ट्रपति
- ◆ मुख्य निर्वाचन आयुक्त का कार्यकाल - 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
- ◆ मुख्य चुनाव आयुक्त का वेतन - 2,50,000
- ◆ मुख्य चुनाव आयुक्त को वेतन दिया जाता है - भारत की संचित निधि से
- ◆ चुनाव आयोग है - स्वतंत्र संवैधानिक संस्था
- ◆ सर्वप्रथम आम चुनाव हुए - 1951-52 में
- ◆ राजनीतिक दल को राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता प्रदान करता है - निर्वाचन आयोग
- ◆ प्रथम मुख्य चुनाव आयुक्त - सुकुमार सेन
- ◆ मतदान की आयु 21 साल से घटाकर 18 साल की गई - 61वाँ संशोधन 1989 द्वारा
- ◆ राष्ट्रीय मतदाता दिवस - 25 जनवरी को
- ◆ चुनाव में मतदाता के फोटो युक्त पहचान पत्र का उपयोग किया गया - 1993 के चुनाव में
- ◆ संविधान का कौन-सा अनुच्छेद वोट देने का अधिकार देता है - अनुच्छेद-326
- ◆ वयस्क मताधिकार की उम्र सीमा है - 18 वर्ष
- ◆ भारत सरकार द्वारा सामुदायिक विकास योजना की शुरुआत की गई-2 अक्टूबर 1953 को
- ◆ पंचायती राज्य विषय है - राज्य-सूची का
- ◆ 11वीं अनुसूची संबंधित है - पंचायती राज से
- ◆ पंचायती राज का उल्लेख है - भाग-9 में (अनुच्छेद-243 'क' से 243 'ण' तक)
- ◆ पंचायती राज प्रणाली की व्यवस्था की गई है - राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत के अंतर्गत
- ◆ पंचायती राज प्रणाली आधारित है - सत्ता के विकेन्द्रीकरण पर
- ◆ 73वाँ संविधान संशोधन (1992) संबंधित है - पंचायती राजव्यवस्था से
- ◆ 73वें संविधान संशोधन (1992) का अभिपालन करने वाला प्रथम राज्य है - मध्य प्रदेश
- ◆ ग्राम पंचायतों की स्थापना की बात कही गई है - संविधान के भाग-4 में
- ◆ पंचायत चुनाव कराने की जिम्मेवारी होती है - राज्य सरकार की (प्रत्येक पाँच वर्ष पर)
- ◆ भारत में त्रि-स्तरीय पंचायती राजव्यवस्था की सिफारिश की थी - बलवंत राय समिति ने
- ◆ त्रि-स्तरीय प्रणाली में आते हैं - ग्राम पंचायत, पंचायत समिति एवं जिला परिषद्
- ◆ पंचायती राज की सबसे छोटी इकाई है - ग्राम पंचायत
- ◆ पंचायत स्तर पर राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करता है - ग्राम सेवक
- ◆ ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति है - प्रशासनिक प्राधिकरण
- ◆ राज्य सरकारों का ग्राम पंचायतों को संगठित करने का निर्देश देता है - अनुच्छेद-40
- ◆ सर्वप्रथम पंचायती राजव्यवस्था लागू की गई- 2 अक्टूबर, 1959 को नागौर (राजस्थान) में
- ◆ 'पंचायती राजव्यवस्था का वास्तुकार/शिल्पी' कहा जाता है - बलवंत राय मेहता को
- ◆ द्वि-स्तरीय सरकार की सिफारिश की थी - अशोक मेहता समिति ने (गठन-1977 में)
- ◆ पंचायती राज दिवस - 24 अप्रैल को
- ◆ नगरपालिका का वर्णन है - भाग-9 (क) में (अनुच्छेद-243P से 243ZG तक)
- ◆ नगरपालिकाओं को संवैधानिक दर्जा दिया गया - 74वाँ संविधान संशोधन, 1992 द्वारा
- ◆ 12वीं अनुसूची संबंधित है- नगरपालिका से
- ◆ नगरपालिकाओं को 12वीं अनुसूची में कुल कितने विषयों की सूची प्रदान की गयी है - 18
- ◆ नगरपालिका को जाना जाता है - शहरी स्थानीय स्वशासन के नाम से
- ◆ स्थानीय स्वशासन विषय है - राज्य-सूची का
- ◆ स्थानीय स्वशासन का जनक - लार्ड रिपन
- ◆ स्थानीय स्वशासन सर्वप्रथम स्थापित किया गया - सन् 1882 ई० में लार्ड रिपन द्वारा
- ◆ नगरनिगम की स्थापना सर्वप्रथम की गई थी - 1687-88 में (मद्रास में)
- ◆ मुम्बई तथा कोलकाता प्रेसीडेंसी में नगर निगम स्थापित किया गया था - 1726 में
- ◆ नगरपालिका का प्रधान होता है - अध्यक्ष
- ◆ नगरनिगम का अध्यक्ष होता है - महापौर/मेयर
- ◆ मेयर बनने हेतु न्यूनतम आयु सीमा- 30 वर्ष
- ◆ वित्त आयोग के गठन का प्रावधान किया गया है - अनुच्छेद-280 में, प्रत्येक पाँच वर्ष पर
- ◆ प्रथम वित्त आयोग का गठन - 1951 में
- ◆ प्रथम वित्त आयोग के अध्यक्ष- के.सी. नियोगी
- ◆ वर्तमान में वित्त आयोग (15वें) के अध्यक्ष है - डॉ. एन. के. सिंह
- ◆ 15वें वित्त आयोग की अवधि है - 2020-25
- ◆ केन्द्र-राज्य के मध्य वित्त/कर का निर्धारण करता है - वित्त आयोग
- ◆ राज्य वित्त आयोग है- एक संवैधानिक संस्था
- ◆ लोक सेवा आयोग की स्थापना - 1926 में
- ◆ संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों (10) की नियुक्ति (6 वर्ष के लिए) करता है - राष्ट्रपति
- ◆ प्रथम परिसीमन आयोग का गठन - 1952 में, जनगणना के बाद निर्वाचन क्षेत्रों को पुनः विभाजित करने के लिए (अनु-82)
- ◆ लघु संविधान (Mini Constitution) कहा जाता है- 42वाँ संविधान संशोधन (1976) को
- ◆ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून पारित हुआ -1980 में
- ◆ सर्वप्रथम गैर-कांग्रेसी सरकार का गठन हुआ - केरल में (1957 में)
- ◆ अनुसूचित जाति/जनजाति को आरक्षण सुविधा प्रदान की गई- 8वाँ संशोधन (1959) द्वारा
- ◆ प्रसार भारती अधिनियम लागू हुआ था - 15 सितम्बर, 1997 को
- ◆ भारत में अन्तर्राज्यीय परिषद् का गठन - मई 1990 में (अनुच्छेद 263 के अंतर्गत)
- ◆ सरकारी आयोग का गठन - जून, 1983 को (केन्द्र-राज्य संबंधों की समीक्षा हेतु)
- ◆ जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा दिया गया था - अनुच्छेद-370 के तहत
- ◆ जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य दर्जा हटाया गया- 11 अगस्त 2019 को, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक-2019 पारित कर
- ◆ लोक अदालत की प्रथम बैठक हुई - 14 मार्च, 1982 को, जुनागढ़ (गुजरात) में
- ◆ सर्वप्रथम लोक अदालत का आयोजन-गुजरात में
- ◆ भारत में आकस्मिक निधि का गठन - 1950 में
- ◆ पहला लोकायुक्त नियुक्त हुआ - राजस्थान में
- ◆ काका कालेलकर आयोग का गठन - 1953 में
- ◆ 'समान नागरिक संविधा' (Common Civil Code) लागू एक मात्र राज्य है - गोवा
- ◆ नागरिकों के लिए एक समान सिविल सहिता किस अनुच्छेद में है - अनुच्छेद-44
- ◆ धारा-302 संबंधित है - हत्या से
- ◆ धारा-307 संबंधित है- हत्या की कोशिश से
- ◆ 'सूचना के अधिकार' अधिनियम को राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त हुई - 15 जून, 2005 को
- ◆ सूचना का अधिकार है - विधिक अधिकार
- ◆ 'सूचना के अधिकार' की परिपाटी में अग्रणी व्यक्ति है - अरूणा राय